

This question paper contains 7 printed pages]

Your Roll No. ....

1605

B.A. (Hons.)/II

D

SANSKRIT—Paper III

(NC—Drama)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Answer all questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : 3×4=12

Translate the following :

(क) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासीत् शलाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन  
भर्तुः ।

कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना चक्रारपङ्क्तिरिव गच्छति  
भाग्यपङ्क्तिः ॥

P.T.O.

अथवा

(Or)

सविश्रमो ह्ययं भारः प्रसक्तस्य तु श्रमः ।

तस्मिन् सर्वमधीनं हि यत्राधीनो नराधिपः ॥

(ख) समुत्खाता नन्दा नव हृदयाशल्यया इव भुवः

कृता मौर्ये लक्ष्मीः सरसि नलिनीव स्थिरपदा ।

द्वयोः सारं तुल्यं द्वितीयमभियुक्तेन मनसा

फलं कोपप्रीत्योर्द्विषति च विभक्तं सुहृदि च ॥

अथवा

(Or)

कृतागाः कौटिल्यो भुजग इव निर्याय नगराद्

यथा नन्दं हत्वा नृपतिमकरोन्मौर्यवृषलम् ।

तथाऽहं मौर्येन्दोः श्रियमपहरामीति

कृतधीः प्रभावं मद्बुद्धेरतिशयितुमेष व्यवसितः ॥

(ग) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं

मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति ।

इयमधिकमनोज्ञा वल्केनापि तन्वी

किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम् ॥

**अथवा**

(Or)

पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या

नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम् ।

आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः

सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम् ॥

2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अङ्क का महत्त्व बताइये । 7

Write down the importance of the fourth act of

अभिज्ञानशाकुन्तलम्.

अथवा

(Or)

नाटक के अन्य पात्रों के कथनों के आधार पर दुष्यन्त का चरित्र-  
चित्रण कीजिए ।

Characterise दुष्यन्त on the basis of the statements of other  
characters of 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्'.

3. भास की नाट्यशैली की प्रमुख विशेषताएँ बताइये । 7

Describe specialties of the style of भास's dramas.

अथवा

(Or)

वासवदत्ता के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

Explain the character of वासवदत्ता.

4. मुद्राराक्षस नाटक में कृतककलह के प्रसंग का महत्त्व स्पष्ट  
कीजिए । 7

Depict the importance of कृतककलह in मुद्राराक्षस.

अथवा

(Or)

मुद्राराक्षसम् का नायक कौन है—चाणक्य या राक्षस ?

Who is the hero of मुद्राराक्षसम्—चाणक्य or राक्षस ?

5. निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए : 3×5=15

Explain the following with reference to context :

(क) प्रद्वेषो बहुमानो वा सङ्कल्पादुपजायते ।

अथवा

(Or)

दुःखं न्यासस्य रक्षणम् ।

(ख) चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः ।

न शालेः स्तम्बकरिता वपुर्गुणमपेक्षते ॥

अथवा

(Or)

सुलभेष्वर्थलाभेषु परसंवेदने जनः ।

कः इदं दुष्करं कुर्यादिदानीं शिविना विना ॥

(ग) आपरितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम् ।

बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यंप्रत्ययं चेतः ॥

अथवा

(Or)

लभेत प्रार्थयिता न वा श्रियम् ।

श्रिया दुरापः कथमीप्सितो भवेत् ॥

6. किसी एक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : 7

Explain in Sanskrit any one of the following :

(क) मानुषीषु कथं वा स्यादस्य रूपस्य संभवः ।

न प्रभातरलं ज्योतरुदेति वसुधातलात् ॥

(ख) कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते ।

प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते ॥

7. अधोलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

3×2=6

Write short notes on any three of the following :

सूत्रधार, नान्दी, विदूषक, नेपथ्य, कञ्चुकी, स्वगतम् ।

8. प्रश्न संख्या 1 तथा 5 में रेखांकित शब्दों में से किन्हीं तीन पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए । 3×2=6

Give grammatical notes on any *three* underlined words from Q. Nos. 1 and 5.

9. किसी एक का संस्कृत में रूपान्तरण कीजिए : 8

Transliterate into *Sanskrit* any *one* of the following :

(क) ईसीसिचुम्बिआइ भमरेहिं सुउमारकेसरसिहाई ।

ओदंसयन्ति दअमाणा पमदाओ सिरिषकुसुमाई ॥

(ख) कमलाणं मनोहराणं कि रुआदो बिसंबअइ शीलम् ।

संपुण्णमण्डलम्मि वि जाइ चन्दे विरूद्धाई ॥